



बाली उमरिया में लगा प्रेम रोग- 8

“न्यूड टीन वर्जिन पुसी स्टोरी में एक लड़का दोस्त की मम्मी की बूँज फक का मजा लेकर अपनी ममेरी बहन के पास आया. बहन उसे चोदने को कह रही थी पर लड़के ने उसकी चूत चाट कर मजा दिया. ...”

Story By: माधुरी सिंह मदहोश (madhuri3)

Posted: Thursday, August 22nd, 2024

Categories: [जवान लड़की](#)

Online version: [बाली उमरिया में लगा प्रेम रोग- 8](#)

बाली उमरिया में लगा प्रेम रोग- 8

न्यूड टीन वर्जिन पुसी स्टोरी में एक लड़का दोस्त की मम्मी की बूज फक का मजा लेकर अपनी ममेरी बहन के पास आया. बहन उसे चोदने को कह रही थी पर लड़के ने उसकी चूत चाट कर मजा दिया.

कहानी के सातवें भाग

दोस्त की मम्मी की चूत चाटी

में अब तक आपने पढ़ा कि बंटू सिमरन आंटी के पास गया तो मोंटी बंटू की बहन पम्मी के पास उसकी चुदाई की आस लेकर गया. लेकिन पम्मी ने उसकी मुठ मार कर उसे टरका दिया यह कहकर कि उसको पीरियड आ गए हैं.

इधर सिमरन ने बंटू को उसकी चूत चाटने के लिए कहा, उसे चूत चाटना सिखाया. बंटू ने उसे ओरल सेक्स से झड़वा दिया.

तो सिमरन ने उसको ईनाम देने की बात कही।

अब आगे न्यूड टीन वर्जिन पुसी स्टोरी :

सिमरन ने बंटू को बोला- जा, अपने लंड पर तेल लगाकर आ !

बंटू खुश हो गया कि आज सिमरन आंटी को चोदने का मौका मिल रहा है।

जब उसने लंड पर अच्छे से तेल लगा लिया और सिमरन के पैर ऊंचे करने लगा तो सिमरन बोली- तेरे को किला फतह करने की बड़ी जल्दी है ? अरे चूत चुदवाना होती तो तेरे को तेल लगाने के लिए कहती क्या ? मेरी चूत तो बिना तेल के अभी इतनी चिकनी है कि तेरा लंड तो बहुत आसानी से घुस जाएगा।

सिमरन ने दोनों हाथों से अपने स्तनों को ऊपर की ओर उठाते हुए कहा- चल अब अपना लंड इन के बीच में रख !

बंटू ने जब लंड स्तनों के बीच में रखा तो सिमरन ने उसके ऊपर अपनी उंगलियां रख दीं और बंटू को धक्के लगाने के लिए कहा ।

तब बंटू ने धक्के लगाना शुरू किया.

सिमरन ने थोड़ा सा मुंह को नीचे की ओर झुकाया और बंटू के लंड का टोपा सिमरन के होठों को छूने लगा ।

बंटू लंड को और आगे की ओर धकेलने लगा तो उसका लंड सिमरन के मुंह में जाने लगा । सिमरन की जुबान बंटू के लंड को छू रही थी, बंटू मस्त हो रहा था ।

बहुत देर तक ब्रेस्ट फकिंग का आनन्द लेने के बाद, बंटू के लंड में सनसनी हुई तो सिमरन उसके वीर्य के आवेग को संभाल नहीं पाई और पहली पिचकारी तो सीधे उसके मुंह में गई, उसके बाद बाकी वीर्य उसने अपने स्तनों पर बिखरने दिया ।

बंटू चरम सुख के कारण आंखें बंद किये लम्बी-लम्बी सांसें ले रहा था.

कुछ देर बाद बंटू निढाल होकर सिमरन के बाजू में आकर लेट गया ।

सिमरन ने पूछा- कैसा रहा मेरा ईनाम ?

बंटू बोला- अद्भुत रहा आंटी, तुमको कैसा लगा मेरा वीर्य ? तुमने कई मर्दों के वीर्य को चखा होगा ? शादी से पहले भी कभी किसी का मुंह में डिस्चार्ज करवाया था ?

सिमरन बोली- तू कितने सवाल पूछता है ?

उसके बाद उसने बंटू के प्रश्नों के जवाब देना शुरू किया- देख, हमारे जमाने में मोबाइल तो होते नहीं थे. मैंने पहली पोर्न वीडियो शादी के बाद भी तब देखी, जब तेरे अंकल बाजार से

वीसीआर किराये पर लाये थे। इसलिए शादी तक तो मुझे बस यही पता था कि चूत में लंड ले के रगड़े लगवाओ तो मज़ा आता है। इसलिए तू पहला लड़का है जिसका वीर्य मैंने चखा है।

सिमरन ये बताते हुए बंटू के वीर्य को अपने बूँस पर विशेषकर निप्पल पर फैला रही थी।

बंटू ने पूछा- आंटी, अब दुबारा नहाओगी क्या ?

सिमरन ने मुस्कराते हुए कहा- नहीं, दिन भर तो तेरे इस लंड रस की खुशबू का मज़ा लूंगी और रात को जब सरताज चोदेगा तो उसे चुसवाऊंगी।

बंटू चौंका- क्या ? तुम मेरा वीर्य अंकल को चूसवाओगी ?

सिमरन ने कहा- हां इसमें आश्चर्य की कौन सी बात है. मैंने तो कई मर्दों का वीर्य मेरे सरताज को चखाया है. आज तेरे जैसे नौजवान लौंडे का भी चखाऊंगी।

बंटू ने हैरानी से पूछा- अंकल कुछ कहते नहीं ? उन्हें बुरा नहीं लगता ?

सिमरन हंस पड़ी- अरे नहीं रे, हम दोनों एक दूसरे के साथ हर तरह का सहयोग करते हैं. क्योंकि हम दोनों ज़रा ज्यादा ही कामुक लोग हैं। जब वे किसी औरत को चोद के आते हैं तो मैं भी तो बिना उस औरत की चूत पर जुबान लगाए उसकी चूत के रस का मज़ा सरताज के लंड को चूस के लेती हूँ।

बंटू का उफान आज तो ठंडा हो चुका था।

उसने सिमरन से पूछा- आंटी, अब मैं कब अपना पानी निकाल सकता हूँ ?

सिमरन ने कहा- जब तुझे ऐसा लगे कि बिना पानी निकाले तू पागल हो जाएगा, तब निकाल सकता है। क्योंकि कुदरत ने ऐसी व्यवस्था कर रखी है कि यदि लड़के मुट्ठ नहीं मारे तो सपने में उनका वीर्य अपने आप निकल जाता है।

बंटू ने कहा- हां आंटी, जब मैंने मुट्ठ मारना शुरू नहीं किया था, तब कई बार मेरी नींद भी मेरी चड्डी गीली होने से खुली थी। पहले तो मुझे समझ ही नहीं आया था कि यह हुआ क्या है।

सिमरन फिर हंस पड़ी- यह कम उम्र में हर लड़के के साथ होता है। इसलिए सुहागरात को लड़की तो एक बार कुंवारी मिल सकती है लेकिन पूरी दुनिया में कोई मर्द ऐसा नहीं मिलेगा जो कहे कि मेरे लंड से कभी वीर्य नहीं निकला।

बंटू बोला- अच्छा आंटी चलता हूं. देखूं वहां मोंटी अपनी क्या मां चुदा रहा है ?

आंटी ने हंसते हुए उसका मुंह पकड़ लिया और बोली- भोसड़ी के, बहुत जुबान खुल गई है तेरी ! उसकी मां अभी तो तू ही चोदेगा।

बंटू मुस्कुरा के सॉरी आंटी बोल के निकल गया।

रास्ते में उसे मोंटी मिला तो उसने मोंटी से व्यंग में पूछा- हम्म ... क्यों ? आज कितनी बार रगड़ा पम्मी को ?

मोंटी बोला- अपनी तो साली किस्मत ही गांडू है. पम्मी के पीरियड शुरू हो गए इसलिए कुछ नहीं कर पाया।

बंटू ने चैन की सांस ली और खुश होते हुए घर पहुंचकर पम्मी से पूछा- क्यों मोंटी ने सच में आज कुछ नहीं किया ?

पम्मी ने कहा- मादरचोद झूठ बोलता है. एक बार मैंने उसे बाथरूम में ले जाकर उसकी मुट्ठ मारी थी। बाहर आकर वह पलंग पर पड़ा तो उसे नींद आ गई. मैंने सोचा कि जब नींद खुलेगी तो वह वापस चला जाएगा. लेकिन नींद खुलने पर उसका लंड फिर से तन्नाया हुआ था तो वह गिड़गिड़ाने लग गया कि पम्मी एक बार मुंह में वीर्य निकालने दे यार ! मैंने कह दिया खोपड़ा खराब मत, मेरे पीरियड चल रहे हैं, मेरा बिल्कुल भी मन नहीं है।

यह सुनकर बंटू की गांड में मिर्ची लगी तो सही पर पहले जितनी जलन नहीं हुई।
उसके बाद पम्मी ने एक और बात ऐसी कही जिसको सुनकर बंटू की सारी जलन दूर हो गई।

पम्मी ने कहा- मैंने मोंटी को कह दिया था कि मुट्ठ भी केवल आज मार रही हूं, अब 4 दिन मुझे बिल्कुल तंग मत करना मैं कुछ भी नहीं करूंगी।
बंटू ने खुश होकर पम्मी को अपनी आगोश में ले लिया और उसके होठों पर एक चुंबन अंकित कर दिया और बोला- थैंक यू पम्मी।

उधर मोंटी जब घर पहुंचा तो जाकर उसने उसकी मम्मी से पूछा- मम्मी, यह बंटू यहां इतनी देर तक क्या करता रहता है ?
मम्मी ने जवाब दिया- अरे उसकी मां उस पर बहुत गुस्सा करती है. इसलिए उसे कुछ भी पूछना, समझना होता है तो वह मेरे पास आ जाता है। तू इतनी देर बंटू के यहां क्या कर रहा था ? यह तो बता ?

मोंटी इस बार भी मम्मी के इस प्रतिवार पर सकपका गया.
इस प्रश्न से मोंटी को ऐसा लगा जैसे मम्मी को सब पता है कि मैं पम्मी के हाथ से वीर्य झड़वा के आया हूं।
इसलिए उसने कहा- कुछ नहीं, पम्मी के साथ शतरंज खेल रहा था।

इस बार भी मोंटी बिना बात को तूल दिए अपने कमरे में निकल लिया।

रात में फिर बंटू की फिर लॉटरी लगने वाली थी।
दिन में सिमरन आंटी की सांवली चूत में मुंह देने के बाद आज रात को पम्मी की गुलाबी चूत का मजा लेने का अवसर मिलने वाला था।

शाम को चाय के साथ बुआ ने अपनी भतीजी के लिए पकौड़े बनाये बंटू और पम्मी दोनों ने रात की कामुक कल्पना करते हुए पकौड़ों का आनन्द लिया ।

दोनों की एक तो जवानी की भोर, शरीर में वासना का ज्वार, उस पर नया नया सैक्स का चस्का !

इस उम्र में तो ऐसा लगता है जैसे दिन रात बस चोदते रहो, चुदाते रहो ।

चाय पकौड़ों का मजा लेकर शाम को दोनों टहलने निकले ।

दोनों की बातों का केंद्र 'कामसुख' ही था ।

पम्मी ने बताया- तेरी ही तरह अपने मम्मी पापा की चुदाई की आवाजों ने, मेरे शरीर के पोर पोर में रमी वासना को जगाया और मेरी चूत को सुलगाया । अपने शहर में तो बदनामी का डर रहता ही है तो मैंने सोचा कि अपने छोटे भाई से सील तुड़वाने में सब से अधिक सुरक्षा है बिना किसी डर के पूरा आनन्द ! बदकिस्मती से तूने मुझे तड़पती छोड़ दिया. इसलिए मजबूरी में मैंने मोंटी से चुदवाने का सोचा था । अब मेरा वापस जाने का समय नजदीक है, मैं चाहती हूँ कि जाने के पहले हम दोनों चरम सुख के शिखर छू लें । मैं यहां से बहुत सारी सुनहरी यादें ले कर जाना चाहती हूँ ।

बंटू ने कहा- निश्चित रह पम्मी, अब तुझे बिल्कुल परिवर्तन दिखाई देगा ।

रात को खाने से निपट कर वे सोने के लिए कमरे में आ गये ।

अवसर और एकांत मिलते ही वासना ने अपना खेल शुरू कर दिया.

दोनों ने एक दूसरे के बदन को सहलाना और चूमना शुरू कर दिया.

फिर दोनों की सोच का का केंद्र बिंदु बन गयी 'चूत'

पम्मी झड़ना चाहती थी तो बंटू झड़ाना ।

बंटू जब पम्मी के होंठ चूसते हुए उसके बूब्स से खेलने लगा तो आज बंटू ने महसूस किया कि पम्मी के बदन से मीठी सी खुशबू उड़ रही है।

उसने पम्मी की बगल को सूंघा, एक नशीली महक उसके नथुनों में समा गई। तब उसने बड़े प्रेम से उसकी बगल को चूमा और थोड़ा सा जुबान से सहलाया।

पम्मी को आज बंटू का यह बदला हुआ रूप बहुत अच्छा लग रहा था।

यही प्रक्रिया बंटू ने पम्मी की दूसरी बगल में भी दोहराई। बगल के मुलायम मुलायम बालों पर जुबान फिराते हुए बंटू को ऐसा लग रहा था जैसे वह हल्की हल्की झांटों वाली चूत पर अपनी जुबान चला रहा है।

जब बंटू ने एक स्तन की निप्पल को मसलते हुए दूसरे स्तन को मुंह में लेकर चूसना शुरू किया तो पम्मी के मुंह से सिसकारी निकल गई।

पम्मी की बेताबी बढ़ रही थी, वह बोली- आज भी अपनी उंगलियों का कमाल दिखा और झड़ा दे यार, बहुत बेचैनी हो रही है।

बंटू ने कहा- नहीं झड़ाऊंगा!

वह फिर से दोनों स्तन चूसता रहा।

पम्मी समझ गई कि बंटू उसे खिझा और उसकी वासना की आग भड़का रहा है।

वह नकली गुस्से में उसे उकसाने के उद्देश्य से बोली- झड़ा दे न मादरचोद, कुत्ते!

बंटू मुस्कुराता हुआ धीरे धीरे पम्मी के बदन को चूमता हुआ नीचे उतरा और नाभि के चारों ओर गोल-गोल जुबान घूमने लगा।

जब बंटू ने नाभि के भीतर जुबान डाली तो उसे लगा कि आज पम्मी की गांड के छेद को

भी अपनी जुबान से छेड़ना चाहिए, पम्मी सिहर उठेगी।

बंटू पम्मी की दूधिया चिकनी जांघों पर पहुंचा तो पम्मी के मुंह से फिर से सिसकारी निकलने लगी, वह बोली- मत तड़पा भेनचौद, आज तो डाल लंड और चोद दे यार!
बंटू बोला- आज नहीं, कल पक्का चोदूंगा।

पम्मी ने कहा- तो फिर उंगली ही डाल, कुछ तो कर, मैं पागल हो जाऊंगी।
बंटू ने पम्मी को अनसुना करके उसके दोनों पैर मोड़े और ऊपर की ओर उठा दिया उसके बाद वह पम्मी की गांड के गहरे भूरे छेद पर अपनी जुबान से स्ट्रोक लगाने लगा।

पम्मी गुदगुदी के मारे तकिए पर सिर इधर-उधर पटकने लगी।
वह गिड़गिड़ाती हुई बोली- झड़ा दे यार बंटू!

जिस तरह दही को बिलोने पर मक्खन एक जगह इकट्ठा हो जाता है, वैसे ही बंटू ने पम्मी के पूरे शरीर को मथ दिया था।

पम्मी की सारी वासना चूत पर एकत्रित हो गई थी, अब पम्मी ऑर्गेज्म के बिल्कुल नजदीक थी।
बंटू ने पम्मी के पैर सीधे किए, उसकी चूत का रस बह कर पम्मी की जांघों तक आ गया था।

बंटू ने उसे चाटा और पम्मी की न्यूड टीन वर्जिन पुसी को गौर से देखा।

“कहां सिमरन आंटी की लौड़ों से चोट खा खा के काली पड़ी चूत और कहां पम्मी की अनचुदी चूत!”

बंटू को पम्मी की चूत के भगोष्ठ ऐसे लग रहे थे जैसे कोई गुलाबी रंग की तितली बैठी हो।

पम्मी बंटू के धैर्य और उसकी दीवानगी पर मुग्ध थी.
वह समझ गई थी कि बंटू आज उसे अपनी जुबान से झड़ाएगा।

बंटू ने पम्मी की चूत चौड़ी करके भीतर झांका.
वहां सुर्ख लाल रंग का मखमली गुदगुदा जन्नत का रास्ता उसके लंड को निमंत्रण दे रहा था।

बंटू की इच्छा तो हुई कि चोद देता हूं साली को ... सिमरन आंटी को नहीं बताऊंगा.
पर उसने संयम से काम लिया कि जल्दबाजी ठीक नहीं है, पहले सिमरन आंटी को चोद के उनसे कुछ टिप्स और ले लूं फिर इसकी यादगार चुदाई करूंगा।

पम्मी आवेश में बोली- देख क्या रहा है कमीने ? कुछ तो कर !
बंटू पम्मी की तड़प का मजा ले रहा था, उसने अब और देर करना ठीक नहीं समझा और मुस्कराते हुए अपनी जुबान पम्मी की चूत पर नीचे से ऊपर फिराई और फिर भीतर प्रवेश करा दी।

चूत के अंदर उसे इतना नर्म और गुदगुदा एहसास हुआ कि लंड में करंट दौड़ गया.

उसके बाद वह पम्मी के चूत रस में भीगे होठों को अपने होठों में लेकर बहुत हौले हौले चूसने लगा।

पम्मी की बेचैनी सीमा पार कर रही थी, उसने कसमसाते हुए कहा- बंटू थोड़ा जोर से चूस !
बंटू ने जोर से चूसते हुए उसकी चूत का सारा रस अपने मुंह में निचोड़ लिया।

उसके बाद पम्मी के मुंह से सिसकारियां की आवाज तेज़ हो गई।
उसने भरी हुई सांसों से कहा- अब मेरे क्लिटोरिस को लगातार चूस !

बंदू ने पम्मी के अनार दाने को मुंह में ले कर चूसना शुरू किया.

पम्मी की क्लिटोरिस, सिमरन आंटी के भग से आकार में आधी थी पर नई नवेली चूत में मुंह देने का भरपूर आनन्द बंदू को मिल रहा था ।

उसकी चूत में उठी आनन्द की लहरें चूत के किनारों पर थपेड़े मारने लगीं और बंदू को अपने होठों पर उसकी चूत का कंपन महसूस होने लगा ।

पम्मी झड़ रही थी और इस चरम सुख का वह अपनी गांड भींच भींच के मज़ा ले रही थी ।

बंदू पम्मी की जांघों के बीच से उठा और उसकी बगल में आकर लेट गया ।

जब पम्मी की स्थिति सामान्य हुई तो उसने बड़े प्यार से अपने छोटे भाई को देख कर कहा- बंदू आज तो तूने अद्भुत ऑर्गेज्म दिया है । मुझे तुझ पर गर्व है और यह विश्वास है कि तू अबकी बार मेरी चुदाई बढ़िया ही करेगा !

और उसे प्यार से बांहों में भर लिया ।

बंदू का तन्नाया हुआ लंड, पम्मी की जांघों से टच हुआ तो उसका ध्यान गया कि बंदू का लंड तो अभी भी अकड़ा हुआ है ।

उसने बड़े प्यार से बंदू का लोअर खिसकाया और धीरे धीरे सहलाने और फेंटने लगी ।

जब बंदू के मुंह से सिसकारी निकलती तो वह उसके सुपारे को दबा देती ।

पम्मी तो झड़ने के बाद पूरी तरह तनावमुक्त थी, उसे नींद ने जल्दी घेर लिया.

और करीब आधा घंटे तक लंड में तनाव का आनन्द लेकर बंदू अगले दिन सिमरन को चोदने का निश्चय कर के सो गया ।

इस रात दोनों को इतनी गहरी नींद आई कि सुबह मम्मी के कमरे से आ रही आवाजों से भी नहीं खुली, न ही बाहर मुख्य दरवाजे की चर्र चर्र से !

सुबह जब अंजू ने आवाज लगाई 'आज क्या बात है बच्चों, कब तक सोओगे ?'
तब दोनों हड़बड़ाकर उठे, एक दूसरे की ओर देखकर मुस्कराए, आपस में गले से लगे और नीचे उतरे।

दिन में बंटू प्रतिदिन की तरह सिमरन आंटी के यहां पहुंचा.
मोंटी जिम जा चुका था और सिमरन चुदने के लिए पूरी तरह तैयार थी।

सिमरन ने नहाने के बाद अपने बदन को खुशबू से नहला दिया था और एक झीनी ही नाइटी पहन कर उसका इंतजार कर रही थी क्योंकि उसकी चूत को आज एक और नया लंड मिलने वाला था।

शादी के बाद इतने नौजवान लंड से चुदवाने का यह पहला अवसर था.

इसके पहले उसने जितने भी लन्ड लिए थे, सब हम उम्र या उस से उम्र में बड़े थे।

बंटू जब सिमरन के यहां पहुंचा तो उसे सिमरन दिखाई नहीं दी.
वह समझ गया कि आज वह अपने बेडरूम में चुदने के लिए उसके इंतजार में होगी।
उसका दिल बल्लियों उछल रहा था।

वह बेडरूम में पहुंचा.
सिमरन और बंटू दोनों दीवानों की तरह एक दूसरे को चूमने लगे।
बंटू दोनों हाथों से सिमरन के मम्मों को दबा रहा था।

सिमरन ने केवल एक पारदर्शी नाइटी पहनी थी, बंटू ने उसे भी उतार दिया.
अब सिमरन पूरी तरह नंगी हो चुकी थी।

सिमरन के हाथ भी बंटू के लौड़े को टटोल रहे थे जो कि आधा तन चुका था।

तब सिमरन ने भी बंटू का लोअर, टी शर्ट उतारा.

अब बंटू केवल अंडरवियर में खड़ा हुआ था।

बंटू ने सिमरन को पलंग पर पटका और उसकी जांघों के जोड़ पर चूत चाटने के इरादे से बढ़ा।

सिमरन ने गाली बकते हुए कहा- भोसड़ी के ... इतना समझाने के बाद भी, फिर से जल्दबाजी??

बंटू झेप गया.

वह सिमरन के बगल में लेट कर उसके पूरे जिस्म को सहला कर उसके शरीर को उत्तेजित करने लगा।

उसके अंग प्रत्यंग को चूमने के बाद उसने सिमरन के स्तनों पर धावा बोला.

38" के खरबूजों से खेलने का सुख, पम्मी के 28" के महकते आमों के सुख से भिन्न था।

कई लौड़ों से चुद चुकी सिमरन के मुंह से लगातार सिसकारियां निकल रही थीं।

प्रिय पाठको, मुझे आशा है कि मेरी न्यूड टीन वर्जिन पुसी स्टोरी आपको पर्याप्त सनसनी प्रदान कर रही होगी।

आपकी प्रतिक्रिया की प्रतीक्षा रहेगी.

मेरी आईडी है

madhuri3987@yahoo.com

न्यूड टीन वर्जिन पुसी स्टोरी का अगला भाग : [बाली उमरिया में लगा प्रेम रोग- 9](#)

Other stories you may be interested in

पड़ोसन भाभी होली में पटाई और चूत चोदी

भाभी सेक्स हिंदी में कहानी पढ़ें कि कैसे मेरे पड़ोस की एक भाभी के घर होली खेलने गया तो भैया ने दारू पीने बिठा लिया. उनको चढ़ गयी और भाभी से मेरी बात होने लगी. दोस्तो, मेरा नाम राजा यादव [...]

[Full Story >>>](#)

बाली उमरिया में लगा प्रेम रोग- 9

चूत चुत की कहानी में एक लड़का अपने दोस्त की मम्मी से चुदाई करना सीख रहा था. दिन में उसने आंटी को पहली बार चोदा तो वह रात में कुंवारी चूत फाड़ने के लिए तैयार हो गया. कहानी के आठवें [...]

[Full Story >>>](#)

गर्लफ्रेंड की मम्मी की चूत चुदाई का मजा

इंडियन आंटी फक स्टोरी में मैंने अपनी गर्लफ्रेंड की माँ को दिवाली के समय पटाया और जमकर चोदा। असल में मैं अपनी गर्लफ्रेंड को दीपावली की शुभकामनाएं देने गया था. दोस्तो, मेरा नाम राहुल है, मैं दिल्ली में रहता [...]

[Full Story >>>](#)

भाई ने अपनी सगी बहन की पहली चुदाई देखी

इंडियन टीनएज Xxx वर्जिन सेक्स कहानी में मेरी गर्लफ्रेंड के भाई को अपनी बहन की करतूतों का पता था. वह मुझसे भी खुला हुआ था. एक दिन उसने मुझे अपनी बहन की पहली चुदाई बताई. दोस्तो, मेरी पहली सेक्स कहानी [...]

[Full Story >>>](#)

बाली उमरिया में लगा प्रेम रोग- 7

न्यूड पुसी Xxx कहानी में एक जवान लड़के को उसके दोस्त की मम्मी चुदाई करना सिखा रही हैं. उन्होंने लड़के को अपनी गीली चूत चाटने को कहा. कहानी के पिछले भाग कुंवारी गर्म लड़की का नंगा बदन में अब तक [...]

[Full Story >>>](#)

